

|  |                                    |  |                                    |
|--|------------------------------------|--|------------------------------------|
| *Hirzel, S., Leipzig.  | Nr. 177, S. 8435                   | †Schaffstein, Hermann, Köln.                                     | Nr. 176, S. 8400                   |
| Hoyer, Gebr., Aktiengesellschaft, Saarbrücken.                     | Nr. 179, S. 8522                   | Scherl, August, G. m. b. H., Berlin SW 68.                       | Nr. 177, S. 8433 u. 8457           |
| Hoffmann, Max R., Verlag, Berlin.                                  | Nr. 178, S. 8482                   | †Schloß, Oskar, Verlag, Neubiberg.                               | Nr. 177, S. 8430                   |
| Hoffmann & Campe Verlag, Berlin W 35.                              | Nr. 177, S. 8430                   | Schnabel, Karl, Berlin W 9.                                      | Nr. 181, S. 8596                   |
| Hoffmann & Co., G. m. b. H., A., Berlin SW 48.                     | Nr. 181, S. 8594                   | Schroeder, Kurt, Bonn.   | Nr. 178, S. 8498                   |
| Hyperionverlag G. m. b. H., München.                               | Nr. 178, S. 8501                   | Schultheß & Co., Zürich I.                                       | Nr. 177, S. 8440                   |
| Insel-Verlag, G. m. b. H., Leipzig.                                | Nr. 178, S. 8486                   | †Schweiger Verlag, J., München.                                  | Nr. 179, S. 8521                   |
| Junker Verlag, Arel, Berlin W 15.                                  | Nr. 181, S. 8607                   | Seiser, Walter, Verlag, Heilbronn.                               | Nr. 181, S. 8601                   |
| Karl-May-Verlag, Fehsenfeld & Co., Radebeul b. Dresden.            | Nr. 179, S. 8527                   | Simplicissimus-Verlag G. m. b. H. & Co., München 19.             | Nr. 177, S. 8464                   |
| †Kaufmann's Buchhandlung, G. A., Dresden-A.                        | Nr. 177, S. 8456                   | †Singer, Josef, Verlag, Leipzig.                                 | Nr. 179, S. 8521; Nr. 181, S. 8596 |
| †Kiepenheuer, Gustav, Verlag, Potsdam.                             | Nr. 179, S. 8531                   | Spamer, Otto, Leipzig.   | Nr. 181, S. 8596                   |
| Kinderbücher-Verlag G. m. b. H., Bernigerode.                      | Nr. 177, S. 8430                   | Speyer & Kaerner, Univ. Buchhdlg., Freiburg/Br.                  | Nr. 181, S. 8596                   |
| Köhler, Karl, Buchhandlung u. Antiquariat, Darmstadt.              | Nr. 176, S. 8396                   | †Städt, Heinrich, Wiesbaden.                                     | Nr. 179, S. 8527; Nr. 181, S. 8598 |
| Kochler, K. F., Verlag, Leipzig.                                   | Nr. 178, S. 8495                   | †Steigerverlag, Helmut Haacke, Erfurt.                           | Nr. 176, S. 8402                   |
| †Kohlhammer, W., Stuttgart.  | Nr. 177, S. 8438                   | Steinig Verlag, Hugo, Berlin W 35.                               | Nr. 179, S. 8526                   |
| Kreienbrink, G., Verlagsbuchhdlg., Detmold.                        | Nr. 176, S. 8406; Nr. 179, S. 8527 | †Stollfuß, Wilhelm, Bonn.  | Nr. 179, S. 8521                   |
| Krüger & Co., Leipzig.   | Nr. 179, S. 8521                   | Stolte, Dr. Paul, Verlagsbuchhdlg., Stuttgart.                   | Nr. 179, S. 8526                   |
| †Langenscheidtsche Verlagsbuchhdlg., Berlin-Schöneberg.            | Nr. 179, S. 8529                   | Strom-Verlag, G. m. b. H., Dresden-A. 1.                         | Nr. 180, S. 8569                   |
| Laubisch & Everth, Berlin SW 68.                                   | Nr. 180, U 2                       | Süddeutsche Monatshefte G. m. b. H., München.                    | Nr. 180, S. 8575                   |
| Leineweber, F., Leipzig.   | Nr. 176, S. 8395                   | Süddeutsches Verlags-Institut Julius Müller, München.            | Nr. 178, S. 8482                   |
| Leitz Verlag, Friedr., Trier.                                      | Nr. 180, S. 8567                   | †Tandniß, Bernhard, Leipzig.                                     | Nr. 180, S. 8573                   |
| Loewes Verlag, Ferdinand Carl, Stuttgart.                          | Nr. 178, S. 8486                   | Teisman, Gebr., Osnabrück.                                       | Nr. 177, S. 8430                   |
| Löwit, R., Wien.   | Nr. 177, S. 8456                   | Teubner, B. G., Leipzig.   | Nr. 176, S. 8402                   |
| †Luh, Robert, Stuttgart.   | Nr. 177, S. 8430                   | Theosophisches Verlagshaus Dr. Hugo Volkrath, Leipzig.           | Nr. 179, S. 8521                   |
| Mayer, Eduard Heinrich, Leipzig.                                   | Nr. 178, S. 8495                   | Zhienemanns Verlag, A., Stuttgart.                               | Nr. 176, S. 8403                   |
| Reinhold & Söhne, E. C., Dresden-A.                                | Nr. 177, S. 8438                   | Zrübenbachs Verlag, Dr. Paul, Chemnitz.                          | Nr. 176, S. 8414                   |
| †Reißer, Oskar, Verlag, Verdau/S.                                  | Nr. 181, S. 8602                   | Velhagen & Klasing, Bielefeld u. Leipzig.                        | Nr. 179, S. 8521 u. 8526           |
| †Reusser, Hermann, Berlin W 57.                                    | Nr. 176, S. 8395                   | Verlag Berliner Buchverlag, Berlin-Grunewald.                    | Nr. 181, S. 8612/13                |
| †Reyer, Carl, (Gustav Prior), Hannover.                            | Nr. 177, S. 8435                   | Verlag der Bücherstube am Museum Dr. Walter Haeder               |                                    |
| †Riffionshandlung Hermannsburg.                                    | Nr. 181, S. 8603                   | Wiesbaden.   | Nr. 181, S. 8601                   |
| Mittelbach's Verlag, Leipzig.                                      | Nr. 178, S. 8494                   | Verlag Deutsche Buchwerkstätten, Dresden-A. 1.                   | Nr. 179, S. 8531                   |
| Müller, Wilhelm, Dranienburg.                                      | Nr. 181, S. 8596                   | Verlag für Handel und Industrie Rudolf Stein & Co., Hamburg 13.  | Nr. 180, S. 8573                   |
| Morawe & Scheffelt Verlag, Inh. Adermann & Pungas, Berlin-Lantwig. | Nr. 178, S. 8491                   | Verlag der Regendorfer-Blätter, München.                         | Nr. 181, S. 8599                   |
| †Müller, S. W., Verlag, München.                                   | Nr. 179, S. 8521                   | Verlag der Schönheit, Richard A. Gieseler, Dresden-A. 24.        | Nr. 177, S. 8452                   |
| Müller & Fröhlich, Verlagsbuchhdlg., München.                      | Nr. 176, S. 8406                   | Verlagsanstalt Hermann Klemm A.-G., Berlin-Grunewald.            |                                    |
| †Neufeld & Henius, Berlin SW 11.                                   | Nr. 176, S. 8398                   |  | Nr. 177, S. 8447                   |
| Dehmitz's Verlag Alfred (Behrend & Boldt), Rostock.                | Nr. 178, S. 8482                   | †Violet, Wilhelm, Stuttgart.                                     | Nr. 179, S. 8526                   |
| Pactel, Hermann, Verlag, G. m. b. H., Berlin-Wilmersdorf.          | Nr. 181, S. 8596                   | Voegels Verlag G. m. b. H., Karl, Berlin D 27.                   | Nr. 181, S. 8598                   |
| †Pahl, Emil, Dresden-A.  | Nr. 177, S. 8429                   | †Vogt, Gebr., Papiermühle/S.-A.                                  | Nr. 181, S. 8594                   |
| Paustran Gebr., Hamburg 1.   | Nr. 176, U 3                       | Wagner'sche Universitäts-Buchhdlg., Jünnbrud.                    | Nr. 176, S. 8407                   |
| Phoebus Verlag, München.   | Nr. 179, S. 8521                   | Weber Verlag, Otto, Heilbronn/A.                                 | Nr. 181, S. 8615                   |
| *Piper & Co., G. m. b. H., München-A.                              | Nr. 177, S. 8430                   | †Weiße Ritter Verlag, Der, Berlin C 19.                          | Nr. 177, S. 8459                   |
| Poehlmann, Ch., Ludwig, Verlagsbuchhdlg., Hamburg 13.              | Nr. 180, S. 8568                   | †Wesermann, Georg, Braunschweig u. Hamburg.                      | Nr. 176, S. 8398                   |
| Pouch, Friedrich, Merseburg.                                       | Nr. 179, S. 8526                   | Wichmann, Hermann A., München.                                   | Nr. 177, S. 8431                   |
| Reclam jun., Philipp, Leipzig.                                     | Nr. 177, S. 8436                   | „Wila“ Wiener literarische Anstalt, G. m. b. H., Wien VIII.      | Nr. 181, S. 8617                   |
| Reiß, Erich, Verlag, Berlin W 62.                                  | Nr. 179, S. 8530                   | Wirtschaftsbund für den Deutschen Adel G. m. b. H., Berlin W 35. | Nr. 180, S. 8579                   |
| Rondella-Verlag G. m. b. H., Dresden-A.                            | Nr. 178, S. 8486                   | †Wittig & Schobloch, Verlag, Dresden-Wachwitz.                   | Nr. 180, S. 8567                   |
| †Röhl & Cie., Verlagsbuchhdlg., München.                           | Nr. 176, S. 8406                   | Wolff, Kurt, Verlag, A.-G., München.                             | Nr. 178, S. 8501                   |
| Scarabaeus-Verlag G. m. b. H., Berlin W 35.                        | Nr. 178, S. 8499                   | Zilleisen, Friedrich, Heinrich Beenten Berlin C 19.              | Nr. 177, S. 8437                   |

## B. Anzeigen-Teil.

Geschäftliche Einrichtungen  
und Veränderungen.

Mein Bureau bleibt

v. 15.—31. 8. geschlossen.

Alle Bestellungen u. Zuschriften sind währenddem nur an m. Komm. Carl Fr. Fleischer, Leipzig, zu richten, sonst bleiben sie unerledigt.

Zugleich mache ich bekannt, daß ich v. 1. VII. ab die Preise der bis 1918 ersch. Bücher um ca. 1200%, für die später erschienenen um ca. 800—600%, für die russ., franz. u. dtshn. Lehrbücher u. Textausgaben entspr. weniger erhöht habe. Et. Bekanntmachung sind sie freibleibend, maßgebend bleiben nur die fakturierten Tagespreise.

Leipzig, Raimund Gerhardt.  
1. 8. 22.

Verkaufs-Anträge, Kauf-Gesuche,  
Teilhaver-Gesuche und -Anträge.

Verkaufsanträge.

Erstklassige rentable  
Fachzeitung.

großes Druckobjekt, krankheitshalber zu verkaufen.

Nur Firmen, die in der Lage sind, 1½ Million Mark (Gewinn zirka 300 000 Mark) in bar zu zahlen, erhalten Auskunft. Als Verlagsorte kommen Berlin, ev. Dresden, Leipzig od. dessen Bezirke in Betracht.

Angebote unter L. H. 493 an Rudolf Mosse, Leipzig, erbeten.

Für Jugendschriften-  
Verleger.

R o s h, Kinderspiele, 3 Bde., Friedenausstattung, soll mit allen Vorräten und Rechten, da nicht in meinen Verlag passend, verkauft werden.

Interessenten wollen sich melden.

Stolz (Pomm.)

Oskar Eulitz Verlag.

•••••  
In Stadt der Provinz Sachsen ist Buchhandlung, altangesehene Firma, gelegentlich zu verkaufen. Nötiges Kapital 300 000.—. Anfragen nur von Selbstbewerbern unter „Provinz Sachsen“ Nr. 1760 d. d. Geschäftsst. d. B.-V.  
•••••

Alteinges. Buch. eines Weltbadeortes gelangt f. 300 000 tsch. Kronen zum Verkauf.

Breslau 10, Enderstr. 3.

Carl Schulz.

Flottgehende Buchhandlung mit Nebenbranchen (Berlin/W), sehr ausdehnungsfähig, an 4 Strassen u. ganz nahe hoh. Lehranst. gelegen, krankheits- u. wegzugshalber gleich zu verkaufen. M. 105 000.—, freibleibend. — Elektr. Licht, Gas, Zentralheizg., Fernspr.-Hauptanschluss, grosses Zimmer u. Kochraum, tauschlos. Angeb. unter „Flottgehend“ an Carl Fr. Fleischer, Leipzig.